

राज्यपाल ने छात्राओं को छात्रवृत्ति वितरित की

दिनांक: 24 सितम्बर, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज मनीषा मंदिर के स्थापना दिवस एवं मनीषा जयंती के अवसर पर अल्प आय वर्ग की 28 मेधावी छात्राओं को छात्रवृत्ति देकर सम्मानित किया। ये छात्रायें 12वीं कक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने के बाद लखनऊ के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में बी०टेक०, बी०फार्मा०, स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों में शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। कार्यक्रम में डॉ० सरोजनी अग्रवाल संस्थापक मनीषा मंदिर, श्री गोपबंधु पटनायक सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी, मनीषा मंदिर के पदाधिकारीगण व अन्य विशिष्टजन भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने छात्राओं को छात्रवृत्ति से सम्मानित करने के बाद अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बेटियाँ पढ़ाई के प्रति अपना धर्म निभायें। समाज में यह धारणा गलत है कि लड़कियाँ बोझ हैं। कन्या भ्रूण हत्या, दहेज उत्पीड़न व महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध सभ्य समाज के लिए उचित नहीं हैं। प्रधानमंत्री द्वारा संचालित योजना 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' को सफल बनाने के लिए समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि उचित वातावरण मिले तो बेटियाँ देश के विकास में बराबर से सहभाग कर सकती हैं।

श्री नाईक ने डॉ० सरोजनी की प्रशंसा करते हुए कहा कि माता-पिता के लिये संतान का खोना सबसे बड़ा दुःख का दिवस होता है। डॉ० सरोजनी ने व्यक्तिगत दुःख भुलाने तथा समाज में दूसरों को सुखी बनाने के लिए अपना जीवन लगा दिया। उन्हें पूर्व राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल, पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी व गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह सहित अनेक लोगों द्वारा सम्मानित किया जा चुका है तथा अनेक सम्मान भी मिले हैं। वे बिना अपेक्षा दूसरों की सेवा करने का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि दूसरों की सेवा करने का जो समाधान और संतुष्टि मिलती है, वह अतुल्य है।

राज्यपाल ने कहा कि अपनी शक्ति का प्रयोग समाज के हित के लिए करें। चरैवेति! चरैवेति!! का संदेश ग्रहण करके आगे बढ़ते रहें। जो व्यक्ति बैठ जाता है उसका भाग्य भी बैठ जाता है और जो चलता रहता है उसका भाग्य भी निरन्तर आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि हमारी सोच वसुधैव कुटुम्बकम् की होनी चाहिए।

इस अवसर पर डॉ० सरोजनी, श्री गोपबंधु पटनायक सहित अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखे। राज्यपाल ने कार्यक्रम में मनीषा स्मारिका का लोकार्पण भी किया।



